

July/2019

पाठ-4

प्रेम भावना

प्र०१ एक-साथ कौन-कौन रहता था?

उ० एक-साथ सुख-दुख, अमीरी-गरीबी, सुन्दरता, बुद्धि और प्रेम भावनाएँ रहती थीं।

प्र०२ आखिरी समय तक टापू पर कौन रहना चाहता था?

उ० आखिरी समय तक ^{टापू पर} प्रेम भावना रहना चाहती थी।

प्र०३ प्रेम भावना ने अमीरी से क्या निवेदन किया?

उ० प्रेम भावना ने अमीरी से यह निवेदन किया कि वह उसे भी अपनी नाव में बिठा ले।

प्र०४ बुजुर्ग स्त्री और पुरुष कौन थे?

उ० बुजुर्ग स्त्री बुद्धि थी और पुरुष समय था।

9/July/2019

प्र०५ यदि प्रेम पूर्णतः समाप्त हो जाएगा तो क्या होगा?

उ० यदि प्रेम पूर्णतः समाप्त हो जाएगा तो दुनिया इतनी

कहो है नाहनी कि यह रहना बर्बाद है ज

प्र०६- सुख प्रेम भावना की भावना को मनाना है

प्र०७- सुख प्रेम भावना के बगल से ही अपनी नाद

कर ले गमा प्रणु जब प्रेम भावना ने उसे आ

खनाई तो वह अपनी दुन में से भावना का कि

उसकी भावना को मुना है नहीं।

प्र०८- प्रेम भावना ने मरीची से प्रद्व क्यो नहीं भागी

उ०- मरीची की नाव में जगह-जगह दिद्र चो इस्लिर

भावना ने उससे मदद नहीं मांगी।

प्र०९- अपने लिए नाव किमने नहीं बनाई?

उ०- प्रेम भावना।

प्र०१०- सुख ने प्रेम भावना से क्या कहा?

उ०- सुख ने प्रेम भावना से यह कहा कि- मैं पहले से

दुखी हूँ, मुझे ^{और} दुखी मत करो, सुखी अवस्था रहना ही

संगत है।

- ① विकिसा
- ② रक्षित राष्ट्रीय
- ③ आवश्यकता
- ④ आत्मविश्वास
- ⑤ सन्दर्भ
- ⑥ सरस्वती
- ⑦ व्यासम व्यासम
- ⑧ व्यवहार
- ⑨ ऑक्सीजन
- ⑩ करतव्य
- ⑪ मूर्तिकला
- ⑫ रात्रेश्वर
- ⑬ मर्त्यसूत्र मर्त्यसूत्र
- ⑭ यौग्यता
- ⑮ कर्मचारी
- ⑯ राष्ट्रपति
- ⑰ प्रधानमंत्री
- ⑱ मुख्यमंत्री
- ⑲ प्रतापगढ़
- ⑳ महत्वपूर्ण

कर्तव्य

कर्तव्य

कर्तव्य

कर्तव्य

कर्तव्य

~~कर्तव्य~~

9/7/19

05.12.13

॥ ३ ॥

三

- ① हम प्रतिवर्ष 24 नवंबर को गणतंत्र दिवस मनाते हैं।
- ② 1950 में इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ था।
- ③ क्या तुम जानते हो कि हमारा संविधान तैयार करने में
- ④ सबसे महत्वपूर्ण काम किसने किया?
- ⑤ यह काम किया - डा. राजेन्द्र प्रसाद।
- ⑥ भाइयों, आज हम इस महान व्यक्तित्व को याद में आने

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

व्यक्ति

तैयार

13/3/19

मुद्रेश

प्रिवोरिया जेल

25 मार्च 1909

प्रिय पुत्र

मुझे प्रति माह एक पत्र लिखने का
अन प्राप्ति करने का अधिकार मिला है। अब मैं पत्र
लिखूँ २ मुझे बारी-बारी से मिस्टर रीच, मिस्टर
और तुम्हारा ध्यान आया, लेकिन मैंने तुम्हें ही
लिखना पसंद किया क्योंकि पढ़ने के समय मुझे तुम्हें
ही ध्यान बराबर रहता है।

मेरे बारे में तुम जरा भी चिंता मत करना। विशेष
कुछ कहने का अधिकार मुझे नहीं है। मैं पूर्ण रूप से
शांति में हूँ। आशा है कि 'बा' अच्छी हो गई होगी। मुझे
ज्ञाता है कि तुम्हारे कुछ पत्र यहाँ आस हैं लेकिन वे
मुझे नहीं दिस गए। फिर श्री डिप्टी गवर्नर की उदात्ता से
मुझे माल हुआ कि 'बा' का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

17/11

- ① कादम्बिनी
- ② तमिस्तना
- ③ दिंदीरा
- ④ मामंत्रित
- ⑤ अंगारे
- ⑥ बुद्धि
- ⑦ कृष्ण
- ⑧ कृष्ण
- ⑨ कृष्ण
- ⑩ कृष्ण

5/7/19

आनेय

- | | |
|----------------|------------------------|
| (1) कादम्बिनी | (11) विरुद्ध |
| (2) तमिलनाडु | (12) लफंगा |
| (3) टिंदौरा | (13) संस्कृति |
| (4) आमंत्रित | (14) पौराणिक |
| (5) अंगारे | (15) शास्त्रीय |
| (6) बुद्धिमान | (16) अद्वितीय |
| (7) दृष्टि कोण | (17) सर्वश्रेष्ठ |
| (8) कृत्रिम | (18) स्वादिष्ट |
| (9) दूरदर्शी | (19) शौचालय |
| (10) सौभाग्य | (20) बैरिस्टर बैरिस्टर |